

प्रशिक्षण प्रतिवेदन

“बायोफ्लोक पालन प्रणाली में उभरती मछली प्रजातियों के लिए मानक संचालन प्रोटोकॉल” पर दो कौशल विकास कार्यक्रम 29 अगस्त से 31 अगस्त 2024 और 1 सितंबर से 3 सितंबर, 2024 तक आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षणों को एनएफडीबी द्वारा “बायोफ्लोक पालन प्रणाली में उभरती मछली प्रजातियों के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन” परियोजना के तहत वित्त पोषित किया गया था। पहले प्रशिक्षण सत्र (29 से 31 अगस्त 2024) में कुल 17 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, जिसमें 1 महिला प्रशिक्षु शामिल थीं और दूसरे प्रशिक्षण सत्र (1 से 3 सितंबर 2024) में 12 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, जिसमें 1 महिला प्रशिक्षु शामिल थीं। कुल 29 प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें 2 महिलाएं शामिल थीं। प्रशिक्षण की शुरुआत उद्घाटन के साथ हुई, जिसमें मत्स्य पालन क्षेत्र में भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. और अंतर्देशीय खारे जलीय कृषि में सीआईएफई केंद्र रोहतक की भूमिका और उपलब्धियों के बारे में बताया गया। उद्घाटन के अवसर पर प्रशिक्षण की रूपरेखा, व्याख्यान और प्रशिक्षण में शामिल व्यावहारिक सत्रों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय डॉ. बबीता रानी ए.एम. (पीआई, एनएफडीबी परियोजना) और डॉ. श्रीधरन.के. और डॉ. उपासना साहू (सह-पीआई, एनएफडीबी परियोजना) द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में बायोफ्लोक प्रौद्योगिकी का परिचय, बायोफ्लोक खेती के लिए टैंक डिजाइन और निर्माण, बायोफ्लोक प्रणाली के इनोकुलम की तैयारी और नियमित प्रबंधन, जलीय कृषि में उम्मीदवार प्रजातियां और बायोफ्लोक प्रौद्योगिकी के लिए इनोकुलम की व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित तैयारी जैसे विषय शामिल थे। प्रशिक्षण में बायोफ्लोक में सिंघी और अनावास खेती, स्टॉकिंग और स्टॉकिंग के बाद प्रबंधन, कार्बन: नाइट्रोजन अनुपात में हेरफेर, फीड और फीडिंग प्रबंधन, बायोफ्लोक प्रौद्योगिकी के लागत लाभ मूल्यांकन और कार्बन: नाइट्रोजन अनुपात में हेरफेर, फीड और फीडिंग प्रबंधन और जल गुणवत्ता प्रबंधन प्रथाओं का व्यावहारिक रूप से प्रदर्शन भी किया गया। बायोफ्लोक पालन प्रणाली में रोग प्रबंधन और बेहतर प्रबंधन प्रथाओं पर व्याख्यान और प्रैक्टिकल भी आयोजित किए गए और विभिन्न फ्लोक मापदंडों के निर्धारण का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण के अंत में प्रशिक्षुओं से फीडबैक लिया गया और समापन समारोह के साथ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को एनएफडीबी परियोजना “बायोफ्लोक पालन प्रणाली में उभरती मछली प्रजातियों का प्रौद्योगिकी प्रदर्शन” द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया गया था।



Trainees of 1st batch training



Trainees of 2nd batch training



Inauguration of 1st batch



Inauguration of 2nd batch



Practical demonstration on biofloc and visit to biofloc unit (1st batch)



Practical demonstration on biofloc and visit to biofloc unit (2nd batch)